Core Course II

बी.ए. हिन्दी साहित्य –सेमेस्टर–2

बसन्त मई 2026

मध्यकालीन हिन्दी कविता

Contact Hour/week-06

Contact Hour/semester-90 पूर्णांक – 80

Credits Assigned-06 समय – 3 घण्टे

Paper Code-HIN5002T

Objective

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी को हिन्दी साहित्य के भक्ति एवं रीतिकाल अर्थात् मध्यकाल का अध्ययन करवाना है ताकि विद्यार्थी मध्यकालीन परिवेश, भाषा, संस्कृति आदि के साथ ही प्रमुख कवियों की चिंतन शैली आदि को समझ सके।

Outcome

पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी इनमें सक्षम होगा. मध्यकालीन कवियों की समाज एवं साहित्य में रही मुख्य भूमिका को समझ पाएगा, भारतीय दर्शन एवं भक्ति के प्रकारों को समझ पाएगा, भक्तिकाल एवं रीतिकाल की लेखन शैली में आए परिवर्तनों को कबीरदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास तथा बिहारी एवं घनानंद के माध्यम से समझ पाएगा। निर्गुण एवं सगुण भक्ति के दर्शन को समझ पाएगा। छंद एवं अलंकारों के माध्यम से मध्यकालीन कविता के काव्य सौन्दर्य को समझ सकेगा।

इकाई 1. **कबीरदास-** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - सम्पूर्ण

आलोचनात्मक अध्ययन- कबीर की काव्यकला, कबीर की भक्ति भावना, कबीर का सुधारवादी दृष्टिकोण

इकाई 2. **जायसी-** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश -सम्पूर्ण

आलोचनात्मक अध्ययन - जायसी का काव्य सौष्ठव, जायसी का प्रेम वर्णन, जायसी का विरह वर्णन।

सूरदास - व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - पद संख्या 23 से 52

आलोचनात्मक अध्ययन - सूर की भक्ति भावना, सूर का वात्सल्य वर्णन, सूर का काव्य सौष्ठव ।

इकाई 3. **तुलसीदास-** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश – दोहा संख्या 01 से 31

आलोचनात्मक अध्ययन - तुलसी की काव्यकला, तुलसी की भक्ति भावना, लोकनायक तुलसी की समन्वय भावना ।

इकाई 4.**बिहारी-** व्याख्या - निर्धारित काव्यांश - सम्पूर्ण

आलोचनात्मक अध्ययन - बिहारी की काव्य कला, बिहारी के काव्य में श्रृंगार, नीति और भक्ति, बिहारी की सौंदर्य भावना ।

घनानंद- व्याख्या - निर्धारित काव्यांश -सम्पूर्ण

आलोचनात्मक अध्ययन – घनानंद की प्रेमानुभूति, घनानंद की विरहानुभूति, घनानंद का काव्य सौष्ठव ।

इकाई 5. **छन्द-अलंकार**(सामान्य परिचय)

- **निर्धारित अलकार -** अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रान्तिमान, संदेह, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त, विरोधाभास, असंगति (कुल 12)
- **निर्धारित छन्द -** दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, उपेन्द्रवज्रा, मदिरा सवैया, मत्तगयन्द सवैया,दुर्मिल सवैया, मनहरण, देवघनाक्षरी (कुल 12)

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई 1,2,3,4 से विकल्प सहित तीन व्याख्या तथा इकाई 5 से विकल्प सहित एक टिप्पणी परक प्रश्न (शब्द सीमा 225 शब्द) 4 X 6 = 24 अंक ।

और प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न जिसमें से विद्यार्थी किन्हीं तीन के उत्तर देगा (कुल तीन) (शब्द सीमा 550 शब्द) 3 X 12 = 36 अंक

सतत मूल्यांकन – 20 अंक

निर्धारित पुस्तकें

1. मध्यकालीन हिन्दी कविता - (सं.) डॉ.दीपेन्द्र सिंह जाडेजा , राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. अलंकार पारिजात - नरोत्तमदास स्वामी, लक्ष्मीनारायणलाल प्रकाशन, आगरा

सहायक पुस्तकें

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य - रामकुमार परमार
2. प्राचीन प्रतिनिधि कवि - द्वारिका प्रसाद सक्सेना